

24<sup>9</sup>/<sub>25</sub>

पत्रावली पेसा हुई। वकील वाही व वाही को आवान  
लगाई गई। बार-बार आवान लगाने के बावजूद भी  
वकील वाही व वाही न्यायालय में हजरि नहीं होते  
पर वकील वाही व वाही का वाद अहम हालकी अहम  
पेशी में धारित किया जाना है। पत्रावली केसल सुमार  
होकर नम्बर से कम होकर हाजिल हफ्तर है।

  
सपखण्ड अधिकारी दतारामगढ